



युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप  
फरवरी, 2017 मास के पुरुषार्थ की ज्वाइंट्स

**फरवरी मास का चार्ट:**

लक्ष्य – अखण्ड सेवाधारी

जब तन-मन-धन, मनसा-वाचा-कर्मणा सब रूप से अखण्ड सेवाधारी बन सेवा में बिजी रहते हैं तो सहज ही मायाजीत जगतजीत बन जाते हैं। देह का भान स्वतः सहज भूला हुआ रहता है। सेवा के समय बाप और सेवा के सिवाय कुछ भी नहीं सूझता, खुशी में नाचते रहते हैं। सेवा करना अर्थात् मेवा खाना। हर कदम में डबल कमाई जमा होती है। सेवा के बीच में वायुमण्डम का, संग का, आलस्य का विध्न आया तो सेवा खण्डित हो जाती है। किसी भी प्रकार के विध्न में कभी नहीं आना है। जरा भी संकल्प मात्र भी विध्न न हो। ऐसे अखण्ड सेवाधारी कभी किसी व्यर्थ के चक्र में नहीं आते।

आइये, हम अखण्ड सेवाधारी बन बाप समान परोपकारी बन विश्व को शान्ति, प्रेम, आनन्द एवं सर्व शक्तियों के दाता का वर्सा प्राप्त कराएं।

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ
पहला	मनसा
दूसरा	वाचा
तीसरा	कर्मणा
चौथा	सम्पत्ति

हर सप्ताह में जो लक्ष्य दिया है उस पर चलते फिरते, कार्य करते अभ्यास एवं चिन्तन करना है। उस पर 10 लाईन कम से कम लिखनी है। रोज रात को चेक करना है कि कितना % हम अखण्ड सेवाधारी रहें।

❖ विशेष Activity: मास के प्रथम रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दर्पण चार्ट भरनेवाले भाई-बहनों का वर्कशोप रखें। जिसमें ग्रुप बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श करायें:

1. अखण्ड सेवाधारी अर्थात् क्या?
2. मनसा सेवा कैसे और कब करनी है?
3. वाचा सेवा में ध्यान रखने योग्य बातें?
4. कर्मणा सेवा की धारणाएं क्या हैं?
5. सम्पत्ति से सेवा करने में कौन सी मानसीकता रखेंगे?

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30
2. अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
3. व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4. ट्रैफिक कंट्रोल- 5
5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7. स्वमान की स्मृति - बहुत अच्छी
8. नुमाशाम का योग- हाँ जी
9. अखण्ड सेवाधारी - 60%
10. गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. सदा अपने को विशेष आत्मा समझकर हर संकल्प वा कर्म करना है।
2. हर एक में विशेषता देखनी हैं।

अभ्यास: हर घण्टे ज्ञान, प्रेम, आनन्द, सुख, शान्ति, पवित्रता एवं शक्ति में से कोई एक गुण की सकाश सारे विश्व को देनी है।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

सप्ताह	स्वमान
पहला	मैं आत्मा शुभ भावना, शुभ कामना सम्पन्न हूँ।
दूसरा	मैं आत्मा वाणी से ज्ञानदान करनेवाली हूँ।
तीसरा	मैं आत्मा कर्म द्वारा गुणदान करनेवाली हूँ।
चौथा	मैं आत्मा ईश्वरीय सेवाधारी हूँ।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम: _____	सेन्टर का नाम: _____	DiDar No: _____
गुड मॉर्निंग-90%		अमृतवेला-75%
व्यायाम/पैदल-80%		ट्रैफिक कंट्रोल-90%
मुरली क्लास-90%		नुमाशाम का योग-80%
स्वमान की स्मृति-75%		अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%
अखण्ड सेवाधारी -60%		गुड नाइट-95%
चार्ट: OK या <del>OK</del>		टीचर के हस्ताक्षर

Mobile: +91 9427313773 Email: [youthwing@bkivv.org](mailto:youthwing@bkivv.org) Website: [www.bkyouth.org](http://www.bkyouth.org)